वैदिक युग/ वैदिक सभ्यता

1500 ई. पू. -600 ई. पू.

ऋग्वैदिक काल 1500 - 1000 ई. पू. **उत्तरवैदिक काल 1000- 600 ई. पू.**

राजनीतिक व्यवस्था

आर्यों की सबसे छोटी प्रशासकीय इकाई परिवार हुआ करती थी। परिवार का मुखिया पिता या बड़ा भाई होता था। कई परिवार मिलकर ग्राम का निर्माण करते थे। जिसके मुखिया को ग्रामीणी कहा जाता था। कई ग्राम मिलकर विश् बनता था। विश् एक प्रशासकीय इकाई थी जिसका मुखिया विशपति कहलाता था। ऋग्वेद में विश् का उल्लेख 170 बार आया है। कई विश् जन का निर्माण करते थे। जन का मुखिया जनपति कहलाता था। और ऋग्वेद में जन शब्द का उल्लेख 275 बार आया है। लेकिन जनपद शब्द का उल्लेख ऋग्वेद में एक बार भी नही आया। जनपद शब्द का उल्लेख उत्तर वैदिक काल में मिलता है। आर्य तीन वंशो में विभाजित थे-

भरत

त्रित्सु

क्रिवी

Video/Live Classes Mock Test Series Discussion Forum

"भीड़ हमेशा आसान रास्ते पर चलती है, जरुरी नहीं वो सही है। अपने रास्ते खुद चुनिए, आपको आपसे बेहतर और कोई नहीं जानता।"

इन तीन वंशो में सबसे प्रमुख वंश, भरत था।

आर्य कई कबीलों में विभक्त थे जिनमे पंचजन प्रमुख था।पंचजन से तात्पर्य है

अनु

दुह्य

यदु

पुरु

तुर्वस

आर्यों के पास कई जनजातियाँ भी थी-

अनिल

पक्थ

विषाणिन

शिव

भलानस

पंचजन व जनजातियो के नेतृत्वकर्ता विश्वामित्र थे। भरत वंश के राजा

OBLYPREPS

Video/Live Classes Mock Test Series Discussion Forum

"भीड़ हमेशा आसान रास्ते पर चलती है, जरुरी नहीं वो सही है। अपने रास्ते खुद चुनिए, आपको आपसे बेहतर और कोई नहीं जानता।"

सुदास थे। सुदास के पुरोहित वशिष्ठ थे। भरत वंश के राजा सुदास व विश्वामित्र के बीच उत्तराधिकारी के लिये रावी (पुरूष्णी) नदी के तट पर दासराज्ञ युद्ध हुआ। जिसमे सुदास के पुरोहित वशिष्ठ की जीत हुई। वशिष्ठ की जीत का अर्थ था , राजा सुदास की जीत। राजा सुदास भरत वंश के थे। भरत वंश की जीत माना गया इसी भरत वंश की जीत पर हमारे देश का नाम भारत पड़ा।

ऋग्वेद में तीन समितियाँ थी-

सभा

समिति

विदथ

ऋग्वेद में सभा का 8 बार उल्लेख आया है सभा में वृद्ध जन व सभ्रान्त जन शामिल थे।

ऋग्वेद में समिति का उल्लेख 9 बार आया है समिति केन्द्रीय संस्था थी जो राजा की निरंकुशता पर नियंत्रण रखती थी।

ऋग्वेद में विदथ का उल्लेख 122 बार आया है विदथ **आर्यों की सबसे प्राचीन व पुरानी संस्था थी** |

उत्तरवैदिक काल 1000- 600 ई. पू.

Video/Live Classes Mock Test Series Discussion Forum

"भीड़ हमेशा आसान रास्ते पर चलती है, जरुरी नहीं वो सही है। अपने रास्ते खुद चुनिए, आपको आपसे बेहतर और कोई नहीं जानता।"

उत्तर वैदिककाल में छोटे क्षेत्र बड़े क्षेत्रों में परिवर्तित होने लगे व बड़े क्षेत्र साम्राज्य का रूप धारण करने लगे-

जैसे -

भरत + पुरु एक मिलकर कुरु का निर्माण करते है

तुर्वस + क्रिवी मिलकर पांचाल का निर्माण किए

ऋग्वैदिक काल की अंतिम प्रशासकीय इकाई जन थी। जन शब्द का उल्लेख ऋग्वेद में 275 बार आया है। परन्तु जनपद शब्द का उल्लेख एक बार भी नहीं। जनपद शब्द का उल्लेख उत्तर वैदिक काल में हुआ है।

Visit on: https://youtu.be/csfmZTSWvBw

#ऋग्वैदिक काल #उत्तरवैदिक काल #वैदिक काल

OBLYPREPS

Sharing Is Caring

If you found it useful, don't forget to share your friends.